मुख्यमंत्री ने सोनाखान में ओपन एयर म्यूजियम और बलौदाबाज़ार-भाटापारा टूरज़िम सर्किट का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों?

20 दिसंबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ज़िला बलौदाबाज़ार-भाटापारा के सोनाखान में निर्मित भव्य ओपन एयर म्यूजियम और बलौदाबाज़ार-भाटापारा टूरज़िम सर्किट का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- शहीद वीर नारायण सिंह की जन्म एवं कर्मस्थली को उनके गौरव के अनुरूप विकसित करने के लिये ज़िला प्रशासन बलौदाबाज़ार-भाटापारा द्वारा सोनाखान में भव्य ओपन एयर म्यूजियम का निर्माण किया गया है।
- सोनाखान में बनाया गया यह म्यूजियम प्रदेश में अपनी तरह का पहला म्यूजियम होगा, जहाँ ऑडियो-विज़ुअल सेटअप और एक विशेष धातु कॉर्टेन स्टील के माध्यम से शहीद वीर नारायण सिंह की जीवनी को प्रदर्शित किया जा रहा है।
- सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले शहीद वीर नारायण सिंह की गौरवगाथा को प्रदर्शित करने के लिये एक विशेष तरह की कॉर्टेन स्टील का प्रयोग किया गया है। कॉर्टेन स्टील एक तरह का ऐसा मेटल है, जिसमें पहले से ज़ंग की एक परत लगी हुई होती है। खास बात यह है कि यह धातु प्रकृति को हानि नहीं पहुँचाती। कुर्रूपाठ पहाड़ की हरियाली के बीच इसकी नयनाभिराम सुंदरता देखते ही बनती है।
- कॉर्टेन स्टील के बने लंबे और सुंदर पैनल्स पर शहीद वीर नारायण सिंह की जीवनी उकेरी गई है, जिसकी भव्यता दिन के साथ ही रात में भी देखी जा सकती है। लाइट के अद्भुत सेटअप इसे खास और अलग बनाते हैं।
- सभी पैनल पर एक ऑडियो सेटअप लगा हुआ है, जिसके माध्यम से शहीद वीर नारायण सिंह की जन्म से लेकर क्रांति और बलिदान की गाथा को सुना जा सकता है। यह ऑडियो हिन्दी, अंग्रेज़ी और छत्तीसगढ़ी भाषा में उपलब्ध है। यहाँ आने वाले लोग अपनी पसंद मुताबिक ऑडियो की भाषा तय कर सकते हैं।
- देश में कॉर्टेन स्टील का उपयोग विभिन्न महान परियोजनाओं में कलाकृतियाँ बनाने के लिये किया जा चुका है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, बिहार म्यूजियम और कई देशों के प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट में इसका उपयोग किया गया है।
- म्यूजियम में पार्किंग और कैंटीन की भी व्यवस्था रहेगी। कैंटीन की व्यवस्था स्व-सहायता समूह के द्वारा संचालित की जाएगी। इसके साथ ही यहाँ आने वाले लोगों को म्यूजियम में प्रवेश सशुल्क रहेगा। इस नवाचार से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को भी रोज़गार उपलब्ध होगा।
- बलौदाबाज़ार-भाटापारा टूरज़िम सर्किट में बाबा गुरु घासीदास की जन्म एवं कर्मस्थली गिरौदपुरी, शहीद वीर नारायण सिंह की जन्म एवं कर्मस्थली सोनाखान, कबीर पंथियों की प्रसिद्ध धर्मस्थली दामाखेड़ा, तुरतुरिया, सिद्धखोल जलप्रपात, बलारडेम, सिद्धेश्वर मंदिर पलारी और नारायणपुर का शिव मंदिर शामिल हैं। इस टूरज़िम सर्किट में आने वाले पर्यटकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/open-air-museum-at-sonakhan-and-balodabazar-bhatapara-tourism-circuit